

कॉपर ऑक्सीक्लोराइड की डबल्यू. जी. सरंचना जिसमें कॉपर सक्रिय तत्व 50% w / w

(स्पर्शीय फफूटीनाशक)

कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यू. जी. एक सूखा बहनेवाला पानी में घुलनशील कणक है जिसमें कॉपर 50 प्रतिशत आर/आर है तथा बाकी सक्रिय तत्व है। इसका उपयोग अंगूर के रोमिल फफूट तथा आम के वृण रोग की रोकथाम के लिए प्रयोग किया जाता है। कणक का आकार 2 से 6 माईक्रोन होता है। शिंस कारण फफूटों को सतह पर सक्रिय तत्व का स्थिर दिखाता है जिससे परिणाम ज्यादा असरदार होता है।

उपयोग

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (ली.)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल	पुनः प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स. तत्व (प्रतिशत)	संरचना (प्रतिशत)			
अंगूर	रोमील फफूट	0.12 प्रतिशत अथवा 120 ग्राम/ 100 लि. पानी	0.24 प्रतिशत अथवा 240ग्राम/ 100 लि.	आवश्यकता अनुसार पौध सुरक्षा पानी	30	
आम	वृण रोग	0.12 प्रतिशत अथवा 120 ग्राम/ 100 लि. पानी	0.24 प्रतिशत अथवा 240ग्राम/ 100 लि.	यंत्र के इस्तेमाल पर आधारित	10	

उपयोग के लिए निर्देश

पौध सुरक्षा यंत्र:

सीधी नली वाले पीठ पर लादकर चलने वाले छिड़काव यंत्र का प्रयोग करें। पाँव द्वारा चालित यंत्र का प्रयोग भी किया जा सकता है।

प्रयोग की सीमायें:

उस दिशा में प्रयोग मत करें जहाँ पशु, पक्षियों व मछलियों को हानी की संभावना हो। पानी के स्त्रोतों को दूषित न करें।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां

- मिलाते समय त्वचा पर छीटें मत पड़ने दें। श्रास द्वारा अंदर जाने से रोकें। नंगे हाथों से मत मिलाए।
- प्रयोगकर्ता को पूर्ण सुरक्षात्मक वस्त्रों जैसे रबर के दस्तानें, जूतें, मँह को ढक कर रखें। सिर पर हैट या टोप का प्रयोग करना चाहिए।
- तेज या अधिक मात्रा में छिड़काव के लिए उपयुक्त अधिक शक्ति के छिड़काव यंत्रों का प्रयोग करें।

तिष्ठ के लक्षण

उल्टी होना, मुँह का दर्द औसीफेंस तथा पेट में दर्द, दस्त और आँखों में दर्द, मुँह में कड़वापन, तेज सिरदर्द पसीना और कमज़ोर नब्ज।

प्राथमिक चिकित्सा

- चिकित्सक को बुलाए। स्थिती गंभीर होने पर रोगी को नजदीकी अस्पताल ले जाए।
- निगलने पर गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी कराए जब तक साफ उल्टी न हो उसे दोहराए।
- त्वचा दूषित होने पर दूषित कपड़ों को उतारे और प्रभवित त्वचा को साबून और पानी से अच्छी तरह धोए।

तिष्ठ नाशक

Caution: "Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".

रोगी को गॉस्ट्रिक लैवेज के साथ दूध या पॉटेशियम फेरोसायनाइड एवं घोल देकर पेट साफ करें। अंडे का सफेद भाग या अन्य डेमुलसंट दें। इलेक्ट्रलाइट या अन्य संतुलित आहार दें। दर्द कम करने के लिए मारकीन या पेथिडीन दें। जहर के लक्षण दिखने पर डायमरकॉप्राल या पेनिसिलमाइन की मात्रा 25-40 मि.ग्रा.कि. प्रतिदिन (अधिकतम 3-4 ग्रा.दिन मात्रा चार भागों में बाटकर) पाँच दिन देनी चाहिए। डायमरकॉप्रॉल 3 मि.ग्रा.कि. पहले चार दिन प्रति चार घंटे तथ 2 मि. ग्रा.कि. 12 घंटे पहले 10 दिन देना चाहिए। अधिक फायदे के लिए जहर छढ़ने के पहले चार घंटों के अंदर दवा दें। डायमरकॉप्रॉल का इंजेक्शन नाड़ियों द्वारा दें।

खाली डिब्बों का निपटारा

1. खाली डिब्बों को तोड़कर उन्हें आबादी से दूर जमीन में दफना दें।
2. खाली डिब्बों का पुनः प्रयोग रोकने के लिए उन्हें बाहर मत फेकें।
3. खाली डिब्बों, बचा हुआ सामान तथा मशीनों और डिब्बों की धोबन का निपटारा सावधानीपूर्वक करें जिससे जल और पर्यावरण प्रदूषित न हो।

संग्रहण की शर्तें

1. फफूंदीनाशक के डिब्बों का संग्रहण अलग कमरे या स्थान पर अन्य वस्तुओं विशेषकर खाद्य पदार्थों के संग्रहण कक्ष से दूर किया जाना चाहिए या फफूंदीनाशक की मात्रा व स्वभाव पर निर्भर करते हुए डिब्बों को अलग अलमारी में ताला -चाबी लगाकर रखें।
2. फफूंदीनाशक का संग्रहण कक्ष या स्थान रोशनीदार, मज़बूत, बनावट या शुष्क, हवादार तथा पर्याप्त लम्बाई-चौड़ाई का होना चाहिए, जिससे बाष्प द्वारा प्रदूषण न हो।

रासायनिक संरचना :

कॉपर औक्सीक्लोराइड टैक्निकल (कॉपर के सक्रीय कॉपर के सक्रीय तत्व 57% न्यूनतम के आधार पर 90.00 % भार/भार तत्व 50% भा/भा)

सरफैक्टंट्स: नान - आयोनिक एनोयानिक या नान - अयोनिक 4.00 % भार/भार

और एनीयोनिक डिस्परसेन्ट्स का मिश्रण, सेडियम पॉसी कार्बाक्सीलेट

वेटिंग कम डिस्परसींग एजेंट: साल्ट ऑफ नेफथेलीन सल्फोनिक एसिड कन्डेसेंट 2.00 % भार/भार

लकड़ी पर आधारीत रासायनिक डिस्परसंट: केल्सीयम लिग्नोसल्फोनेट 3.00 % भार/भार

फीलर: चीनी मिट्टी 1.00 % भार/भार

योग : १००.००० % भार/भार

निर्माता

अंग्रेजी में लिखे गये अनुसार

उत्पादन परिसर:

अंग्रेजी में लिखे गये अनुसार

Caution: "Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".

Copper Oxychloride WG formulation containing 50% w/w Copper as its active ingredient.**(Contact Fungicide)**

Copper Oxychloride 50 % WG is used for the control of downy mildew in grape and anthracnose in mango. The particles size range from 2 to 6 microns, thus displaying a fine layer of active ingredient on sprayed crops resulting in enhanced efficacy.

Recommendation

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water (Ltr)	Waiting Period between last spray to harvest (days)	Re-entry after each Application (In Hours)
		AI (%)	Formulation (%)			
Grape	Downy Mildew	0.12 % or 120 g/100 lt water	0.24 % or 240g/100 lt. water	As required depending	30	
Mango	Anthracnose	0.12 % or 120 g/100 lt water	0.24 % or 240g/100 lt. water	on plant protection equipment used	10	

Direction of Use

Do not use in those situations where there is a possibility of harming fish and livestock. Do not contaminate streams, lakes and ponds. Plant Protection Equipment: Knapsack sprayers fitted with flat fan nozzle is recommended. Foot sprayer can be also be used.

Precaution

1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillages or splashes. do not mix with bare hands.
2. The users should use full protective clothing which includes rubber gloves, boots, either face shield or dust mask and overall or rubber apron hood or hat.
3. Use in high concentration with low and ultra low volume applications equipment is dangerous and should be avoided.

Symptoms Of Poisoning

Vomiting, pain in mouth, esophagus, and stomach, diarrhoea with abdominal pain, metallic taste in mouth, severe headache and sweat and weak pulse.

First Aid

1. Send for physician. If condition is serious, remove patient to nearest hospital.
2. If skin is contaminated remove contaminated clothing and wash contaminated skin with soap and plenty of water.
3. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat.

Antidote

Empty stomach by gastric lavage with milk or preferably with solution of potassium ferrocyanide. Administer egg white and other demulcent, maintain electrolyte and fluid balance. Morphine or pethidine may be given to control pain. Dose of penicillamine 15-40 mg/kg (Max. dose 3-4 g/day divided into four dosages should be administered for five days. Dimercaprol solution should be given 3 mg/kg every four hours for first four days and 2 mg/kg every twelve hours for ten days. For better effect, give the treatment within four hours of treatment. Dimercaprol is administered intravenously.

Disposal Of Used Container

1. Do not leave used containers outside to prevent their re-use.
2. Destroy used containers and bury them away from habitation where there is no underground water source.
3. Dispose of used packages, surplus materials and washings of the fungicides in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution and contamination of animal feeds.

Storage Conditions

Caution: "Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".

- The packages containing the fungicides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the fungicide.
- The rooms or premises meant for storing the fungicides shall be well lit, well built, dry cool, ventilated and of sufficient dimensions to avoid contamination with vapour.

Chemical Composition:

Copper Oxy Chloride Tech (copper contents 50% w/w)	Based on purity copper contents 57% min.	90.00 % w/w
Surfactants	Nonionic, Anionic or blend of nonionic and anionic dispersants: Sodium Polycarboxylate	4.00 % w/w
Wetting agent or Wetting cum dispersing agent	salt of Naphthalene sulphonic acid condensate	2.00 % w/w
Wood based chemical type dispersants	Calcium Lignosulphonate	3.00 % w/w
Fillers	China clay	1.00 % w/w
Total:	100.000% w/w	

Manufactured By:

AQUARIUS AGRO CHEMICALS
SURVEY NO.172/1, BALAJI INDUSTRIAL AREA, NEAR
MALDHARI FATAK, KOTHARIYA, (GUJARAT)

Rajkot, Rajkot, Gujarat 360002

Manufacturer Premises :

SURVEY NO.172/1, BALAJI INDUSTRIAL AREA, NEAR
MALDHARI FATAK, KOTHARIYA, RAJKOT - 360002 (GUJARAT)

Caution:“Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet”.